भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न सं.165

03 मार्च, 2020 को उत्तरार्थ

विषय : मृदा स्वास्थ्य में सुधार

***165 श्री नंद कुमार सिंह चौहान :**

क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या किसानों की उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने के लिये मृदा स्वास्थ्य में सुधार करने हेतु सरकार का कोई कार्यक्रम आरंभ करने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है;

(ग) क्या मृदा स्वास्थ्य के संबंध में किसानों को समय-समय पर कोई दिशानिर्देश जारी किये गये हैं; और

(घ) क्या मृदा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिये उर्वरकों के समुचित उपयोग करने के संबंध में किसानों को उचित प्रशिक्षण प्रदान किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री (श्री नरेन्द्र सिंह तोमर)

(क) से (घ) : विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

'मृदा स्वास्थ्य में सुधार' से संबंधित लोक सभा में दिनांक 03.03.2020 को उत्तर दिए जाने वाले तारांकित प्रश्न सं. 165 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) एवं (ख): सरकार वर्ष 2015 से मृदा स्वास्थ्य कार्ड (एसएचसी) योजना को कार्यान्वित कर रही है ताकि 2 वर्ष के एक चक्र में एक बार देश के सभी किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड प्रदान किया जा सके। मृदा स्वास्थ्य कार्ड किसानों को उनकी मृदा की पोषण स्थिति के साथ साथ मृदा स्वास्थ्य और इसकी उर्वरता में सुधार लाने के लिए उपयोग किए जाने हेतु पोषक तत्वों की समुचित खुराक पर सिफारिशों के संबंध में जानकारी प्रदान करता है। चक्र- 1 (2015-17) में, 10.74 करोड़ और चक्र- 2 (2017-19) में 11.74 करोड़ मृदा स्वास्थ्य कार्ड किसानों को वितरित किए गए थे। वर्ष 2019-20 के दौरान, ''मॉडल गांवो का विकास'' नामक एक प्रायोगिक परियोजना 6954 गांवों (एक गांव/राजस्व ब्लॉक) में शुरू की गई है जहां किसानों की भागीदारी से व्यक्तिगत कृषि जोत आधारित नमूना संग्रह के साथ साथ जागरूकता अभियान और मृदा स्वास्थ्य कार्ड की सलाह के अनुसार उर्वरकों के प्रयोग का प्रदर्शन भी सुनिश्चित किया जाता है।

(ग): सरकार उच्च उत्पादकता के लिए अच्छे मृदा स्वास्थ्य को बनाए रखने हेतु मृदा परीक्षण आधारित अजैविक और जैविक उर्वरकों का उचित प्रयोग को प्रोत्साहित कर रही है। इस संबंध में किसानों को समय समय पर सलाह जारी की जाती है।

(घ): मृदा स्वास्थ्य कार्ड (एचएससी) योजना के अंतर्गत, निम्नलिखित के अनुसार राज्य सरकारों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है:

- 30 या अधिक भागीदारों के साथ 2 दिनों के लिए 24000/- रुपए प्रति प्रशिक्षण की दर से किसानों को प्रशिक्षण। अब तक, राज्यों को 1946 किसान प्रशिक्षण की स्वीकृति दी गई है।
- 2500/- रुपए प्रति हेक्टेयर प्रदर्शन की दर से फील्ड प्रदर्शन आयोजित करना। अब तक, राज्यों को 5.50 लाख प्रदर्शन की स्वीकृत दी गई है।
- 1.00 लाख रुपए प्रति किसान मेला/अभियान की दर से किसान मेलों/अभियानों का आयोजन करना। अब तक, राज्यों को 7425 किसान मेलों/अभियानों की स्वीकृति दी गई है।

मृदा स्वास्थ्य कार्ड 112 आकांक्षी जिलों में कार्यान्वित किए गए कृषि कल्याण अभियान (केकेए) का एक क्रियाकलाप भी है।

इसके अतिरिक्त, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) इस पहलू पर किसानों को शिक्षित करने के लिए प्रशिक्षण भी देता है और फ्रंट लाईन प्रदर्शन भी आयोजित करता है।

*****